## पं. सोहनलाल द्विवेदी (4 मार्च, 1906 - 1 मार्च, 1988)

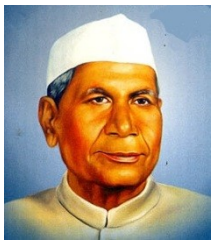

पं. सोहनलाल द्विवेदी के साहित्य ने राष्ट्रीय और सांस्कृतिक कवि के साथ-साथ ग्राम्य जीवन के कुशल चितेरे तथा बाल साहित्यो के निर्माता के रूप में भी उन्हें प्रतिपादित किया। देशप्रेम की अटूट और अंतरिम भावना उनकी राष्ट्रीय कविता का मूल और मुख्य आधार बनी तथा राष्ट्रोत्थान उनके गीतों का सर्वोच्च स्वर । द्विवेदी जी बच्चों के महाकवि और बाल साहित्य के जनक के रूप में चर्चित हुए। उनका साहित्यिक जीवन ही बालकवि के रूप में प्रारंभ हुआ। बाल साहित्य हो या बाल पत्रकारिता, उन्होंने बच्चों की भाषा, बच्चों के हृदय और बच्चों की कल्पना को हू-ब-हू उतार दिया। द्विवेदी जी ने जन साधारण को ही अपना सच्चा पाठक और श्रोता माना और इसीलिए उन्हीं की भाषा में लिखा। प्रमुख रचनाएं : - किसान, भैरवी, कुणाल, पूजा गीत, दूध-बताशा, झरना, बाल भारती तथा हॅसो-हॅसाओं।